क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

बहुत से लोग—कुछ ईसाई भी—पूछते हैं:

“अगर यीशु सच में भगवान हैं, तो वे कैसे मर सकते हैं?”

इसका उत्तर जानने के लिए हमें समझना होगा कि बाइबल यीशु के बारे में क्या कहती है और वे धरती पर क्यों आए।

1. क्या यीशु भगवान हैं?

हाँ, यीशु पूरी तरह से भगवान हैं। बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने मानव रूप धारण किया और यीशु मसीह के रूप में इस धरती पर आए।

1 तीमुथियुस 3:16 (ERV-Hindi)
“और निःसंदेह, धर्मपरायणता का यह रहस्य महान है: परमेश्वर
देह में प्रकट हुआ, आत्मा में न्यायीकृत हुआ, स्वर्गदूतों
को देखा गया, जातियों में प्रचारित किया गया, संसार में
विश्वास किया गया, महिमा में उठाया गया।”

यीशु धरती पर आने के बाद भी भगवान होना बंद नहीं हुए। उन्होंने अपनी दैवीयता में मानवता जोड़ ली। वे पूरी तरह से भगवान और पूरी तरह से मानव बने। इसे धर्मशास्त्र में हायपोस्टैटिक यूनियन

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

कहा जाता है। लेकिन उनका उद्देश्य पूजा प्राप्त करना या स्वर्गीय महिमा दिखाना नहीं था। वे धरती पर आए ताकि पापियों को उद्धार मिले।

2. भगवान ने मानव क्यों बने?

यीशु अपने लिए महिमा पाने नहीं आए। वे हमारी जगह पाप का दंड लेने और हमें बचाने आए। उन्होंने स्वयं को नीचा किया ताकि हम उद्धार पाएँ।

फिलिप्पियों 2:6–8 (ERV-Hindi)
“जो परमेश्वर के स्वरूप में होने के बावजूद, परमेश्वर के बराबर होने को लूट नहीं समझा, परंतु उसने स्वयं को
निरुपयोगी मानकर दास का रूप धारण किया और मनुष्यों के समान होकर प्रकट हुआ। और मनुष्य के रूप में पाए जाने पर, उसने
स्वयं को नीचा किया और मृत्यु तक आज्ञाकारी बना, यहाँ तक कि क्रूस की मृत्यु तक।”

“स्वयं को निरुपयोगी मानना” का अर्थ है कि यीशु ने अपने स्वर्गीय अधिकारों को स्वेच्छा से अलग रखा। वे भगवान होना बंद नहीं हुए, बल्कि उन्होंने धरती पर रहते हुए अपने दैवीय

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

शक्तियों का उपयोग अपने लिए नहीं किया। इसे धर्मशास्त्र में केनोसिस कहते हैं।

3. उदाहरण: पुलिस अधिकारी

सोचिए, एक यातायात पुलिस अधिकारी है। वर्दी में वह ट्रैफिक नियंत्रित कर सकता है। लेकिन अगर वह आम कपड़े पहनकर बाजार जाए, तो वह अब भी पुलिस है, लेकिन अपनी शक्ति का इस्तेमाल नहीं करता।

यीशु ने भी ऐसा ही किया। वे भगवान बने रहे, लेकिन हमारे बीच हमारे जैसे रहना चुना।

4. फिर यीशु की मृत्यु क्यों हुई?

क्योंकि वे मानव बने, उन्होंने भूख, थकान, दुःख और अंततः मृत्यु का अनुभव किया। लेकिन उनकी मृत्यु हार नहीं थी। यह उनके उद्धार मिशन का हिस्सा था।

रोमियों 5:8 (ERV-Hindi)
“परंतु परमेश्वर अपने प्रेम को इस प्रकार प्रकट करता है कि
जब हम पापी थे, तब मसीह हमारे लिए मरे।”

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

उनकी मृत्यु जबरदस्ती नहीं थी। उन्होंने स्वेच्छा से अपना जीवन दिया:

यूहन्ना 10:17–18 (ERV-Hindi)
“इसी कारण मेरे पिता मुझे प्रेम करते हैं कि मैं अपना जीवन इसलिए डालता हूँ कि मैं इसे फिर से ले सकूँ। कोई इसे मुझसे
नहीं लेता, बल्कि मैं स्वयं इसे डालता हूँ। मुझे इसे डालने की शक्ति है, और मुझे इसे फिर से लेने की शक्ति भी है।”

क्रूस पर उन्होंने अपनी आत्मा पिता के हाथों में सौंप दी:

लूका 23:46 (ERV-Hindi)
“और यीशु ने जोर से चिल्लाया और कहा, ‘पिता! मैं अपनी आत्मा
तेरा हाथ में सौंपता हूँ।’ यह कहकर उसने अपनी अंतिम सांस
ली।”

यहां तक कि पिलातुस भी हैरान था कि यीशु इतनी जल्दी मरे (मार्क 15:44), क्योंकि मृत्यु ने उन्हें हरा नहीं किया—वे स्वयं अपने आत्मा सौंपने का समय चुन रहे थे।

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

5. सबसे बड़ा चमत्कार: अपनी शक्ति से पुनर्जीवित होना

सबसे बड़ा चमत्कार यह नहीं कि मृत्यु से बचा जाए, बल्कि यह कि मृत्यु लेने और फिर अपनी शक्ति से पुनर्जीवित होने का अधिकार होना। यीशु ने यही किया।

यूहन्ना 11:25 (ERV-Hindi)
“मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ। जो मुझ पर विश्वास करता है,
भले ही वह मरे, वह जीवित रहेगा।”

इतिहास में किसी ने भी ऐसा दावा नहीं किया और इसे साबित नहीं किया। यह उनकी दैवीयता और पाप व मृत्यु पर विजय दोनों को प्रमाणित करता है।

6. क्या मृत्यु के बाद यीशु अभी भी भगवान हैं?

हाँ। उनकी मृत्यु उन्हें कम दैवीय नहीं बनाती। यह उनके प्रेम, विनम्रता और उद्धार शक्ति को दिखाती है। केवल सच्चा भगवान ही संसार के पापों के लिए मर सकता है और फिर पुनर्जीवित हो सकता है।

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

कुलुस्सियों 2:9 (ERV-Hindi)
“क्योंकि इसमें पूरी दैवीयता का शरीर में वास है।”

यीशु ने पाप क्षमा किए, तूफान शांत किए, मृतकों को जीवित किया और स्वयं मृतकों में से उठे। इतिहास में ऐसा कोई और नबी नहीं कर पाया।

7. वे महिमा के साथ फिर आएंगे

यीशु अभी समाप्त नहीं हुए। एक दिन वे लौटेंगे—और हर कोई उन्हें पहचानेगा।

प्रकाशितवाक्य 1:7 (ERV-Hindi)
“देखो, वह बादलों के साथ आ रहा है, और हर आंख उसे देखेगी…”

फिलिप्पियों 2:10–11 (ERV-Hindi)
“…ताकि यीशु के नाम पर हर घुटना झुके… और हर जीभ यह माने कि यीशु मसीह प्रभु हैं…”

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

कुछ लोग आश्चर्यचकित होंगे, क्योंकि उन्हें भ्रम हुआ कि वे लौटेंगे नहीं। पर बाइबल कहती है:

2 पतरस 3:9 (ERV-Hindi)
“प्रभु अपने वचन में देरी नहीं करता, जैसा कि कुछ सोचते हैं, बल्कि हमारे प्रति धैर्यवान है, यह नहीं चाहता कि कोई नाश
पाए, परन्तु कि सब पश्चाताप करें।”

यीशु धैर्यवान हैं—हमें उनकी ओर लौटने और उद्धार पाने का समय दे रहे हैं।

निष्कर्ष: यीशु क्यों मरे? क्योंकि वे हमसे प्रेम करते हैं

यीशु भगवान और उद्धारकर्ता दोनों हैं। वे मानव बने, पवित्र जीवन जिए, हमारे पापों के लिए मरे, और शक्ति में पुनर्जीवित हुए। उनकी मृत्यु कमजोरी नहीं थी—यह सबसे बड़ा प्रेम और शक्ति का कार्य था।

क्या यीशु भगवान हैं? और अगर हैं, तो उन्होंने क्यों मरना
पड़ा?

यूहन्ना 15:13 (ERV-Hindi)
“इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिए
अपना जीवन दे।”

उन्होंने आपका जीवन बचाने के लिए अपना जीवन दिया—और आपको विश्वास करने, उनका पालन करने और उद्धार पाने का निमंत्रण दिया।

(प्रभु आ रहे हैं!)
ईश्वर हमें उन्हें अधिक जानने और उनके आने की तैयारी करने में मदद करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp